पंजाब केसरी 02/12/2025

एड्स से डरकर नहीं, समझ कर लड़ें, जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : रोहित दत्त

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जी.एम.एन. कॉलेज में भव्य एड्स जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मानव शृंखला बनाकर संदेश देते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त एवं विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

अम्बाला, 1 दिसम्बर (बलराम): विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में अम्बाला छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज की यूथ रैडक्रॉस इकाई एवं जी.एन.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एड्स जागरूकता की शपथ लेकर समाज में स्वस्थ और सुरक्षित जीवनशैली को अपनाने व बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि विश्व एड्स दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि एच.आई.वी./एड्स केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना, जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि एड्स से डरकर नहीं, समझ कर लड़े और जागरूकता ही इस बीमारी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है।

दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग जानकारी के अभाव में इस बीमारी का सामना कर रहे हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि जागरूक युवा समाज के विचारों को बदलने में सक्षम होते हैं।

इस अवसर पर यूथ रैडक्रॉस इकाई के संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने विशेष व्याख्यान में एच.आई.वी./एड्स के कारणों, लक्षणों, संक्रमण के तरीकों, बचाव उपायों तथा समाज में व्यापक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के आयोजन में जी.एन.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभी शिक्षकों की सक्रिय भूमिका रही।